

1548

Release No. 10

१ न क स वा य वि य ॥ स वा यी वा य ॥ व लि ग य
॥ अ ध या ग न य ॥ वी ग न लि क्क न वा य ॥ अ
की दा व र ग य ॥ स क र न वी ग न न
॥ न मि य ॥ कं सा दा ॥ कं सा दा ॥ इ म
की सा न र वी दा व र य ॥ ३ कं
३ व र्ण न म ॥ स्या न

३ स्या न च्छं न य ॥
३ कं दा व ॥ अ र्थ र व ल मं ल ग क न ॥
३ स्या न च्छं न य ॥ अ र्थ र व ल मं ल ग क न ॥
३ य ॥ ३ व र्ण न म ॥ ३ व लि स न य ॥ ३ व र्ण
स ना य ॥ अ ध या ग न म ॥ ३ व र्ण ॥ ३ व र्ण
स ना य न म ॥ न्या स या य ॥ ३ अ र्थ र व ल मं ल ग क न

रुठ ॥ कांजंयुष्टायां ॥ कीर्तकृतीत्यां ॥ कृमं
मायां ॥ कृं नोमिकायां ॥ केकनिवायां ॥
॥ क० अमोयरुठ ॥ काहदयाय ॥ कीर्ति
मंखाहा ॥ कृमिखाय नमः ॥ केकवयाय ॥
कीर्तयय ॥ क० अमोयरुठ ॥ गाहा
नयाय ॥ कायाय ॥ कीर्तिरुठ ॥ जपेयाय

॥ कांजंयुष्टायां ॥ कीर्तकृतीत्यां ॥ कृमं
मायां ॥ कृं नोमिकायां ॥ केकनिवायां ॥
॥ क० अमोयरुठ ॥ काहदयाय ॥ कीर्ति
मंखाहा ॥ कृमिखाय नमः ॥ केकवयाय ॥
कीर्तयय ॥ क० अमोयरुठ ॥ गाहा
नयाय ॥ कायाय ॥ कीर्तिरुठ ॥ जपेयाय

नाकगपुष्प २॥ यानिमूढा॥ थमविगननि
या॥ नैवेद्यपाइकापूजयामि॥ १॥ सिद्धिर्वै २॥
कीज्जुकर २॥ कोपुष्पं नम॥ भात्रमवीडवी
य॥ श्रूयाइकापूजयामि॥ ३॥ वलिवीय॥
हाथा॥ नैवेद्यपाइकापूजयामि॥ ४॥ वलिवीय॥
हाथा॥ नैवेद्यपाइकापूजयामि॥ ५॥ वलिवीय॥

६॥ यामि॥ नैवेद्यपाइकापूजयामि॥ ६॥ वलिवीय॥
७॥ नैवेद्यपाइकापूजयामि॥ ७॥ वलिवीय॥
८॥ नैवेद्यपाइकापूजयामि॥ ८॥ वलिवीय॥
९॥ नैवेद्यपाइकापूजयामि॥ ९॥ वलिवीय॥
१०॥ नैवेद्यपाइकापूजयामि॥ १०॥ वलिवीय॥
११॥ नैवेद्यपाइकापूजयामि॥ ११॥ वलिवीय॥
१२॥ नैवेद्यपाइकापूजयामि॥ १२॥ वलिवीय॥
१३॥ नैवेद्यपाइकापूजयामि॥ १३॥ वलिवीय॥
१४॥ नैवेद्यपाइकापूजयामि॥ १४॥ वलिवीय॥
१५॥ नैवेद्यपाइकापूजयामि॥ १५॥ वलिवीय॥

नं वंचयतामनाय२॥ श्रुया कलितय॥
नं कांशी सं सी खे उं की को सें दूं हं दुं ऊं
का नमशा सिद्धि लक्ष्मी देव यो इका पृ
कया मि॥ ३॥ बलि भा प्रा विं ज्ञां रूप वा
माय बलि मृदू रखा हा॥ वां वउ क ना थ
य बलि मृदू रखा हा॥ गंग नी पा, पंद

लिङ्गं कुरु स्वाहा ॥ याँ सर्वथा विद्यावलि
 गुरु ॥ वाँ वामं यवलि गुरु स्वाहा ॥
 नंदं माहाकाशाय वलि गुरु स्वाहा ॥ धू
 दा वहाय कं नय ॥ नैसं ससुविथ सिद्धास
 न विथ कं शाय कं सुदी ह के सदिथ सि
 धि ससं यव कया इकायू जया मि वलि गुरु

कुरु स्वाहा ॥ उद्गुगानुमर्गैः उग कि वि तमव
वृद्धयाय नमः वलि ॥ कुरु स्वाहा ॥ जय ॥
याय ॥ नं कीं कौं कौं कौं कौं नमः ॥ १०८ ॥ म
उलया हा वस्थान नय ॥ उं ज्ञ ख उ म उ ला
कां यै ॥ उं उं उं ला य उ क नि का ॥ ज्ञ ग म य
पृथ पृथ दीय ग सर्व वि वि व नी यून म सु ॥
नमः शानाथय ॥ १

॥ वी नृ वी य ॥ नमः शानाथय ॥ नमः शान
कुरु सैनाथय ॥ नमः शानाथय ॥ ३ ॥ स्थान
का काय ॥ नं कीं शानाथय ॥ नमः शानाथय ॥
नमः ॥ नमः शानाथय ॥ ४ ॥ ज्ञा य रुद्र ॥ ४
॥ का कुरु दयाय ॥ ४ ॥ स्वा व स जा यी वा
या व व लि सै ग य ॥ ४ ॥ ज्ञा य रुद्र ॥ ३

वावादाय॥ ॐ शुक्राय नमः ॥ ३॥ वावा
दाय॥ ॐ शुक्राय नमः ॥ न धृते क ॥ ॐ
शुक्राय नमः ॥ संहारैः सुदानेन वलि (थ
य॥ ॐ शुक्राय नमः ॥ नमि य॥ धामैः
नथी न॥ जो के स्थान वाहा के जो दाव न
य॥ जो ही सुखा सुखा यज्ज्येन मय

॥ ॐ ॥



1751













